आज की मुरली का सहज सार ---------- Date: 08-07-2014

बाबा ने कहा, बाबा आया हैं तुम्हें ज्ञान रत्न देने, मुरली सुनाने, इसलिए तुम्हें कभी भी मुरली मिस नहीं करनी हैं, मुरली से प्यार नहीं तो बाप से प्यार नहीं.

भक्तिमार्ग में जिसके लिए गायन हैं, श्रीकृष्ण की मुरली सुनने के लिए, गोप-गोपीयॉ अपने घरों से अपना तन-मन का भान भी छोड़ कर भागे चले आते थे. अब बाबा ने ज्ञान में स्पष्ट किया हैं की श्रीकृष्ण तो सतयुग का प्रिन्स हैं और मुरली तो असूल में ज्ञान मुरली हैं, जो अभी पूरषोतम संगमयुग पर स्वयं परमपिता-परमात्मा परमधाम से आकर विश्व की गिनी-चुनी भाग्यशाली आत्माओं को सुना रहे हैं.

अव्यक्त बापदादा जब आते हैं और हम सबको प्रश्न पुछते हैं की बच्चों को बाबा से कितना प्यार हैं तो हम सब ब्राह्मण खड़े हो कर अपना हाथ दोनों साइड जितना फैला सकते हैं उतना फैला कर बाबा को खुश कर देते हैं. लेकिन आज बाबा ने स्पष्ट किया की जो बच्चों को बाप से सच्चा प्यार हैं, वह कभी मुरली मिस नहीं करेगा. तो हम सब अपने आप से पूछे की हम सच में हर रोज सेन्टर पर जाकर बाबा की मुरली, यह स्थिति में रह कर की स्वयं भगवान मुझे मुरली सुना रहे हैं, मुरली सुनते हैं?

अगर ये पूरा निश्चय हैं कि स्वयं भगवान इस धरती पर आकर हमें ज्ञान दे रहे हैं. हम भाग्यशाली आत्माओं को पतित से पावन बना रहे हैं, जिसे की आने वाली सतयुगी दुनिया के हम मालिक बन सके. भगवान हर रोज परमधाम से इस धरती पर आते हैं, हम आत्माओं को ज्ञान और योग सिखाने. हम आत्माओं को गुणों और शक्तिओं से भरपूर करने तो हम कभी भी हम बाबा कि मुरली मिस नहीं करेंगे.

बाबा हमें हर रोज की मुरली से नये-नये ज्ञान रत्न देते हैं और यही रत्न स्वयं धारण कर दूसरों को करने से ही हमारा 21 जन्मो का प्रालब्ध बनना हैं, तो हमारा अटेन्शन मुरली पर कितना होना चाहिए.

बाबा की इस सीझन की लास्ट वाणी में भी बाबा ने बताया की बाबा ने देखा की जो बच्चे रेग्युलर आने वाले हैं उन्हों को तीव्र पुरुषार्थ का लक्ष्य हैं लेकिन बातें आने से ढीले पड़ जाते हैं. बातें तो आयेगी लेकिन बच्चों को बहादुर बन उसे पार करना ही हैं. ये स्वयं भगवान के महावाक्य हैं तो इससे समझ ना चाहिए की हर रोज सेन्टर पर जाकर मुरली सुनने का महत्व कितना हैं.

आज से हम प्रतिज्ञा करें कि कुछ भी हो जाये, चाहे अपनी मन कि स्थिति द्वारा, चाहे कोई अन्य आत्माओं द्वारा, चाहे प्रकृति द्वारा, चाहे वायु-मण्डल द्वारा कुछ भी हो जाये लेकिन मुझे बाबा की मुरली मिस नहीं करनी हैं.

ॐ शांति. Please provide your feedback to Atma Bhai on email – a.brahmin.soul@gmail.com.